पंजाब केसरी 04/06/2024

जी.एम.एन. कालेज ने शुरू किए बी.एस.सी. नर्सिंग और जी.एन.एम. समेत कई नए कोर्स

ए.आई.सी.टी.ई. से बी.सी.ए., बी.सी.ए. (ए.आई.), बी.बी.ए., एम.बी.ए. और एम.सी.ए. के लिए मिली मान्यता

अम्बाला, 3 जून (बलराम): वर्ष 1948 में स्थापित अम्बाला छावनी के गांधी मैमोरियल नैशनल (जी.एम.एन.) कालेज ने सोमवार को शुरू हुए चालू शैक्षणिक सत्र में बी.एस.सी. नर्सिंग और जी.एन.एम. समेत कई नए रोजगारोन्मुख कोर्स शुरू कर दिए हैं।

इसके साथ ही ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टैक्निकल एजुकेशन (ए.आई.सी.टी.ई.) ने कालेज को बी.सी.ए., बी.सी.ए. (आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस), बी.बी.ए., एम.बी.ए. और एम.सी.ए. कोर्सों के लिए मान्यता प्रदान कर दी है। कालेज प्रबंधक समिति के अध्यक्ष डा. गुरदेव सिंह, महासचिव अजय अग्रवाल और प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने सोमवार को कालेज में आयोजित पत्रकारवार्ता के दौरान यह आशय की जानकारी दी।

पत्रकारों से बातचीत करते कालेज प्रबंधक समिति के अध्यक्ष डा. गुरदेव सिंह, महासचिव अजय अग्रवाल और प्राचार्य डा. रोहित दत्त। (देवदत्त)

डा. गुरदेव सिंह ने कहा कि जिस प्रकार रोजगार न मिलने से युवा वर्ग निराश है और उच्च शिक्षा का स्तर नीचे जा रहा है, ऐसे में पारम्परागत शिक्षा प्रणाली से साथ-साथ नए कोर्स शुरू करने के पीछे उनके कालेज का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारोन्मुख शिक्षा देकर युवा वर्ग को सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाना है।

उनका मानना है कि कोर्स ऐसे होने चाहिए जिनकी मार्कीट में डिमांड हो और विद्यार्थी किताबी कीड़ा बनने के बजाय नौकरी पाने में भी सक्षम बन सकें। नर्सिंग कोर्स अम्बाला के लिए बहुत बड़ा तोहफा है। इसके साथ ही विदेशों में मांग के मद्देनजर कालेज एम.पी.एच.डब्ल्यू. (मेल) कोर्स लाने का भी प्रयास कर रहा है।

डा. रोहित दत्त ने कहा कि जी.एम.एन. कालेज नर्सिंग कोर्स आरम्भ करने वाला अम्वाला का पहला कालेज बन गया है जिसके अन्तर्गत 12वीं मैडीकल पास विद्यार्थियों के लिए बी.एस.सी. नर्सिंग तथा अन्य संकायों के विद्यार्थियों के लिए जी.एन.एम. कोर्स इसी सत्र में शुरू किए जा रहे हैं।

विद्यार्थियों को क्लीनिकल प्रैक्टिकल के लिए सरकारी एवं निजी अस्पतालों के साथ एम.ओ.यू. साइन किए गए हैं। इसके तहत विद्यार्थी न केवल इन अस्पतालों में प्रशिक्षण लेंगे, बल्कि उन्हें प्लेसमैंट के अवसर भी मिलेंगे। इसके साथ ही जो विद्यार्थी विदेश जाना चाहते हैं, उन्हें भारत से ही शिक्षित करके भेजा जाए, ताकि वे विदेश जाते ही अपनी आजीविका शुरू कर सकें।

भारतीय-विदेशी संस्कृति के आदान-प्रदान के उद्देश्य से मलेशिया एवं आस्ट्रेलिया सहित कई देशों के विश्वविद्यालयों के साथ एम.ओ.यू. किए जा रहे हैं, ताकि विदेश जाकर भी इन विद्यार्थियों को किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

डा. रोहित दत्त ने बताया कि कालेज में बी.सी.ए. (ए.आई.), एम.सी.ए. एवं एम.बी.ए. के लिए इन्फोसिस के साथ एम.ओ.यू. हुआ है जो अपने आप में अनूठा प्रयास है।

इस एम.ओ.यू. के माध्यम से लाइव प्रोजैक्ट तथा स्किल बेस्ड शिक्षा के साथ-साथ प्लेसमैंट का भी सुनहरा अवसर मिलेगा।